इकाई - I Date :- 14.05.2020

Topic :- खेल - खेल मे सीखना

Ans :→ बच्चे गणित की कई बुनियादी अवधारणाएँ खेलो से सीख सकते है। उन्हे जाने पहचाने संदर्भो मे खेलने मे मजा आता है। उनके खेलो से अपने आप ही मजे मजे मे बहुत सारी गणितीय गतिविधिया आ जाती है। नए विचारो और अवधारणाओ से छोटे बच्चे का परिचय खेलो व ऐसी परिचित स्थितियो से कराया जा सकता है, जो उन्हे मजेदार लगे और जिनसे उन्हे घबराहट या परेशानी न हो।

जब छोटे बच्चे चीजो को आपस मे बांटते है वास्तव मे वे एक-से-एक का मेल मिलाते है। जब वे गुटको से खेलते है तो वे अलग-अलग आकारो से प्रयोग कर रहे होते है। जब वे "पाँच छोटे बंदर" जैसा गाना गाते है तो वे संख्याओ के नाम सीखते है। बच्चो को इबारती खेलो मे भी मजा आता है। वे आम तौर पर शब्दो के पैटर्न पकड़ने मे तेज होते है। क्योंकि पैटर्न पहचानना गणितीय सोच का मूलभूत पहलू है। बच्चे अपनी भाषा विकसित करने के साथ-साथ वास्तव मे गणित भी कर रहे होते है। शिक्षक कोई भी गणितीय अवधारणा सिखाने के लिए ढेरो खेल बना सकते है। ये खेल या तो पूरी कक्षा के साथ खेले जा सकते है या छोटे समूहो मे। खेल ऐसे भी बनाए जा सकते है जिनसे बच्चे संबंधित गणितीय भाषा भी साथ ही सीख जाएँ। उदाहरण के लिए —

यहाँ टीम मे खेले जाने वाले कुछ खेलो के उदाहरण दिए जा रहे है।

(क) एक टीम अपने सामने कुछ कंकड़ रख लेती है, दुसरी टीम:

पहला खेल – उतने ही कंकड़ रखे, या

दुसरा खेल – गिने और बताए कि वे कितने है, या

तीसरा खेल – 14 कंकड़ (मान लीजिए) करने के लिए जितनी भी कंकड़ और चाहिए उतने रखे, या

चौथा खेल – 3 कंकड़ छोड़ कर बाकी उठा लें, आदि।

जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ता है उन्हे आप संख्याओ के नाम भी सिखा सकते है।

(ख) एक टीम दो पासे (बिन्दु या संख्याओ वाले) फेंके और कंकड़ो के ढेर मे से उतने कंकड़ उठा ले जितना कि दोनों पासो की संख्याओ का जोड़ हो (या अंतर हो, या गुणा हो)। दुसरी टीम भी ऐसा करे। दो बारियो के बाद जिसके पास भी ज्यादा कंकड़ होंगे वह जीत जाएगा। यहाँ भी खेल के दौरान बच्चे "छः जोड़ दो बराबर आठ" जैसी भाषा से ज्यादा परिचित हो सकते है।

P.T.O

Scanned with CamScanner

कंकड़ी, पासो, कार्डों, या मोतियों से शिक्षक 'स्थानीय मान' सिखाने के लिए खेल बना सकते है। 10 कंकड़ी (10 के आधार के लिए) को एक कार्ड या मोती के बराबर मान कर अदला बदली जा सकती है और इसका लेखा-जोखा रखा जा सकता है। एक बार जब वे दहाईयों की पकड़ ठोस चीजों से बना लेते है तो उन्हे संख्याओं का इस्तेमाल करने वाले खेलों से भी परिचित करवाया जा सकता है।

एक अन्य उदाहरण पर गौर करते है—

शिक्षक 10-10 कार्डों के दो समूह ले सकते है जिन पर 0 से 9 तक के संख्यांक लिखे हो। इन्हे बच्चों की दो टीमें इस्तेमाल करेगी। बच्चे कार्डों को फैंट कर और उल्टे करके टेबल पर रख दें। फिर वे बारी-बारी से एक बार में एक कार्ड चुनेंगे और उसे बोर्ड पर 'इकाई' और 'दहाई' के स्तम्भ में रखेंगे। एक कार्ड जहाँ रखा जा चुका है वहाँ से हटाया नहीं जा सकता। उद्देश्य सबसे बड़ी संख्या बनाना है। वेजोभी नम्बर बनाएँ उसे जोर से कह दें। उदाहरण के लिए यदि पहले समूह का संख्या 3 का कार्ड खुला और उसे उन्होंने दहाई के स्तम्भ में रखा तो उन्हे जोर से 30 कहना चाहिए आदि।

ऐसे बहुत सारी अन्य मजेदार गतिविधियों का उपयोग बच्चों को ज्यामिति की विभिन्न अवधारणाओं से परिचित कराने के लिए किया जा सकता है। जैसे बच्चे सममिति के बारे में 'रंगोली' के सममित पैटर्न कागज पर बना कर सीख सकते है। ऐसे खेल बच्चो की व्यापकीकरण करने, विशिष्टीकरण करने, अन्दाज लगाने व पैटर्न पहचानने की क्षमताएं विकसित करके गणितीय सोच का विकास करते है। यानि कि ये सब उनकी गणितीय सोच व तार्किक क्षमता बढ़ाते है।

Scanned with CamScanner